LOOK N LEARN
Children's Jain
E-book

Serial No. 24

The knowledge of
32 Aagams
in your phone

To subscribe please Watts app - Jai Jinendra on +91 8104461579

Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb

घर को उपाश्रय बनाए

प्यारे बच्चों,

आपको उपाश्रय में जाकर कैसी अनुभूती होती है?

क्या आप प्रसन्नता, शांति, सुख की अनुभूती करते हो?

क्या आपको उपाश्रय में **positive vibrations** की अनुभूती होती है?

क्या हम अपने घर को भी उपाश्रय जैसा पावन और पवित्र बना सकते है?

जी हा! बीलकुल बना सकते है।

तो चलो आज हम देखे की घर को उपाश्रय कैसे बना सकते है?

Dear children,

How do you feel after visiting an Upashray?

Do you feel delighted, peaceful and happy?

Do you experience positive vibrations in Upashray?

Can we make our house pure and serene like the Upashray?

The answer is 'YES'. We can definitely create Upashray like feeling in our house.

So let's see how we can do this?

तो सबसे पहले हम देखे उपाश्रय यानी क्या?

उपाश्रय है एक... Divine Place

Firstly let us see what is Upashray?

Upashray is a Divine Place

वह जगह या स्थान जहाँ साधु-साध्वीजी रहते हैं, उसे उपाश्रय कहते है। श्रावक-श्राविका और बच्चें भी उपाश्रय में साधु-साधवी जी के दर्शन करने के लिए आते है। उपाश्रय में जहां श्रावक साधना कर सके उस जगह को पौषध शाला कहते है।

The place where sadhus and sadhvijis stay is called Upashray. Shravak - Shravika and children come there to worship Sadhu-Sadhviji. In Upashray, the place where Shravak can worship is called Paushadhshala.

उपाश्रय वह जगह है...

- जहाँ संवर कर सकते है।
- जहाँ हम पच्चखाण ले सकते है।
- जहाँ मांगलिक सुनने मिलता है।
- जहाँ श्रावक श्राविका साधु-साध्वीजी के दर्शन करने आते है।
- जहाँ हमें "आगम वाचणी" सुनने मिलती है।
- जहाँ श्रावक श्राविका पौषध कर सकते है।
- जहाँ हम सामायिक-प्रतिक्रमण कर सकते है।
- जहाँ हम स्वाध्याय कर सकते है।
- जहाँ हम साधु साध्वीजी की उपासना कर सकते है और पाँच अभिगम का आचरण कर सकते है।

Upashray is a place where one can...

- Observe Samwar
- Take Pachkhkhan
- Hear the auspicious manglik
- Can do Darshan of Sadhu-Sadhviji
- Study Aagam
- Do Paushadh
- Perform Samayik and Pratikraman
- Study the Scriptures
- Offer veneration to Sadhu-Sadhvijis and follow 5 Abhigams.